CRIME BS इंडिया
आपतक आपकी आवाज़ NEWS

साप्ताहिक
आवाज भंडारा

मुख्य संपादक : नौशिया खान
कार्यकारी संपादक : शुभम देशमुख

● वर्ष -३ ●अंक - ३७ ● बुधवार दि.३ जुलै २०२४ ●RNI No.-MAHBIL/2021/80357 ●पृष्ठ -४ मुल्य -२ रू. ●Gmail-awazbhandara@gmail.com

1 जुलाई से देश में लागू हो गए तीन नए आपराधिक कानून...

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सोमवार, 1 जुलाई से देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू होंगे. तीनों नए कानून वर्तमान में लागू ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे. यह नए कानून के नाम भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (इरअ) हैं. इसी साल फरवरी में इन तीनों आपराधिक कानूनों को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया था. संसद से दिसंबर 2023 में पारित होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी 25 दिसंबर 2023 को इसे मंजूरी मिल गयी है. साल 2020 में दिल्ली के एनएलयू के पूर्व कुलपति डॉ रणबीर सिंह की अध्यक्षता में सरकार ने तीनों कानूनों में बदलाव के लिये कमिटी गठित की थी. इन कानून के लागू होने से कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे.

दुष्कर्म के दोषियों को फांसी तक की सजा

नए आपराधिक कानून के अंतर्गत नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले दोषियों को फांसी की सजा तक दी जा सकती है. वहीं नाबालिग के साथ

गैंगरेप करने को नए अपराध की श्रेणी में रखा गया है. इस कानून के अनुसार राजद्रोह को अब अपराध नहीं माना जाएगा. इन नए कानून में मॉब लिंचिंग के दोषियों को को भी सजा के प्रावधान हैं. जब 5 या उससे ज्यादा लोग जाति या समुदाय के आधार पर किसी की हत्या करते हैं तो उन्हें उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी.

भारतीय न्याय संहिता (BNS)

भारतीय न्याय संहिता (BNS) 163 साल पुराने आईपीसी (IPC) की जगह लेगा. इस कानून के सेक्शन 4 के अंतर्गत सजा के तौर पर दोषी को सामाजिक सेवा करनी होगी. शादी का धोखा देकर यौन संबंध बनाने पर 10 साल की सजा और जुमार्ना का प्रावधान है. साथ ही नौकरी या अपनी पहचान छिपाकर शादी के लिए धोखा देने पर भी सजा होगी. संगठित अपराध जैसे अपहरण, डकैती, गाड़ी की चोरी, कॉन्ट्रैक्ट किलिंग, आर्थिक अपराध, साइबर क्राइम के लिए भी कड़े सजा का प्रावधान किया गया है. भारतीय न्याय संहिता (BNS) में राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले काम पर भी कड़ी सजा दी जाएगी.

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS)

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) 1973 के सीआरपीसी की जगह लेगा. इस कानून के जरिए प्रक्रियात्मक कानून में महत्वपूर्ण बदलाव किये गए हैं. इस कानून के मुताबिक अगर किसी को पहली बार अपराधी माना गया तो वह अपने अपराध की अधिकतम सजा का एक तिहाई पूरा करने के बाद जमानत हासिल कर सकता है. ऐसे में विचाराधीन कैदियों के लिए तुरंत जमानत पाना मुश्किल हो जाएगा. हालांकि, यह कानून आजीवन कारावास की सजा पाने वाले अपराधियों पर लागू नहीं होगा. इस कानून के अंतर्गत कम से कम सात साल की कैद की सजा वाले अपराधों के लिए फोरेंसिक जांच अब अनिवार्य हो जाएगा. फोरेंसिक एक्सपर्ट्स अपराध वाली जगह से सबूतों को इकट्ठा और रिकॉर्ड करेंगे. वहीं अगर किसी राज्य में फोरेंसिक सुविधा का अभाव होने पर दूसरे राज्य में इस सुविधा का इस्तेमाल किया जाएगा.

भारतीय साक्ष्य अधिनियम

भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के साक्ष्य अधिनियम की जगह लेगा. इस कानून में कई बड़े बदलाव किये गए हैं. इसमें इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को लेकर नियमों को विस्तार से बताया गया है और द्वितीय सबूत को भी शामिल किया गया है. अब तक इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स की जानकारी एफिडेविट तक ही सीमित होती थी. पर अब इसके बारे में कोर्ट को विस्तृत जानकारी देनी होगी. कोर्ट को बताना होगा कि इलेक्ट्रॉनिक सबूत में क्या-क्या शामिल है.

कई राज्यों ने केन्द्र से इन कानूनों को स्थगित करने का किया आग्रह

1 जुलाई से लागू होने वाले इन नये कानूनों को फिलहाल स्थगित करने का कई राज्यों ने केन्द्र से आग्रह किया है. साथ ही कहा है कि इन नये कानूनों पर पुनर्विचार होना चाहिये. इसमें कई कानून ऐसे हैं जो जनहित में सही नहीं हैं और इसके लागू होने से पुलिस प्रशासन को ज्यादा अख्तियार मिल जायेंगे. जिससे कि कहीं न कहीं लोगों को किसी भी मामले में आरोपी बनाये जाने पर जमानत लेने के लिये काफी मशक्कत करनी पड़ेगी. 14 दिनों की चली आ रही रिमांड की अवधि में भी इजाफा किये जाने को भी लोग सही नजरिया से नहीं देख रहे हैं.

करोड़ों रुपये के धान घोटाला मामले में 6 आरोपियों को भेजा गया जेल

विधायक राजू कारेमोरे के भाई का भी समावेश देर रात गिरफ्तार...

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सीआईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि भंडारा जिले की छह चावल मिलें धान खरीदी में करोड़ों रुपये के गबन के मामले में शामिल हैं। बाकी एक आरोपी की गिरफ्तारी देर से होने के कारण उसे कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका. बाम्हणी निवासी महेश कहाळकर (३५), माढळ निवासी सुरेंद्र वहीले (५१) ,बाम्हणी निवासी ताराचंद काहालकर (६५) ,श्रीरामनर निवासी भारत ठाकरे (५८), सुकळी निवासी रामलाल बांडेबुचे (५५) , ढोरवाडा निवासी माणिक बोदरे (६५) , ऐसे जेल में भेजे गए आरोपियों के नाम है। जबकि तुमसर विधायक राजू कारेमोरे के भाई वरथी निवासी विश्वनाथ कारेमोरे (43) . को देर रात गिरफ्तार किया गया.

उक्त मामला आधार खरेदी केंद्रों से धान खरीद का कागजात दिखाकर सरकार को चावल नहीं लौटाने और फर्जी सात बारा तैयार कर व फर्जी बिल लगा कर किसानों का चावल गबन करने का मामला है. ऐसे में ये छह राइस मिलें संदेह के घेरे में आ गई हैं। 2018 में तत्कालीन निलंबित जिला विपणन पदाधिकारी गणेश खर्चे ने इस मामले में सीआइडी से शिकायत की थी. बाद में सीआईडी अधिकारियों की जांच में इस घटना का खुलासा हुआ. सीआइडी की जांच में पता चला कि जिले की छह चावल मिलें धान खरीद में रुपये के गबन मामले में शामिल थीं. जबकि शेष एक आरोपी को देर से गिरफ्तार किया गया, उसे अदालत में पेश नहीं किया जा सका। मोहाडी, तुमसर और भंडारा तालुका में इस मिल से संबंधित कई धान खरीदी सेंटरों पर भी संकट मंडराने की संभावना है।

साकोली विधानसभा क्षेत्र के लाडले डॉ. अविनाश नान्हे की उम्मीदवारी की चर्चा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : साकोली लाखनी विधानसभा क्षेत्र भाजपा से इच्छुक उम्मीदवार डॉक्टर अविनाश नान्हें जो की डॉक्टर का कर्तव्य निभाते हुए भी सामाजिक कार्यों में सदैव तत्पर रहने वाले साथ ही कोरोनो जैसे महामारी में साकोली और भंडारा के जनता की सेवा में जुड़े रहे।

साथ समाज सेवक कार्य में हमेशा नागरिकों की आगे बढ़ कर मदत की ऐसे डॉक्टर के अविनाश नान्हें की साकोली विधानसभा क्षेत्र में चर्चा है। साथ ही महायुति से इन्हे उम्मीदवारी मिलती है तो नाना पटोले को कड़ी टक्कर देने की चर्चा बनी हुई है।

बिटीबी संस्था और अवैध वसूली करने वालो के खिलाफ अपराधिक मामला दर्ज करे

मंडी से अवैध वसूली करने का मामला गरमाया

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शहर की बीटीबी सब्जी मंडी में तथाकथित तौर पर चल रही अवैध वसूली को लेकर बीटीबी कंपनी मालिक और नगर परिषद मुख्याधिकारी आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग बीटीबी हटाओ संघर्ष समिति ने की है. समिति के संयोजक परमानन्द मेश्राम और मंडी के किसानों ने भंडारा शहर पुलिस निरीक्षक गजानन सूर्यवंशी से मिलकर अपनी शिकायत दर्ज कराई और जांच कर अपराध दर्ज करने की मांग की. बीटीबी के मालिक को पुराने सब्जी मंडी से स्थानांतरित एक नई सब्जी मंडी विकसित करने के लिए विकासक के रूप में नियुक्त किया गया था. इस तरह हर वर्ष दूकान धारकों ने 38 लाख 88 हजार रुपये अवैध रूप से बीटीबी को चुकाए हैं. मंडी में कुल 46 स्टॉलधारक हैं, जिनमें से 7 स्टॉल पर बंडु तानाजी बारापात्रे का कब्जा है. कुल 40 व्यापारियों ने पिछले 9 वर्षों में कुल 15 करोड़ 16 लाख 32 हजार रुपये की बड़ी राशि अवैध तरीके से बीटीबी को चुकाई है.

9 सालों से लगातार चल रहा है वसूली

रखरखाव के नाम पर किसानों से 50 रुपये प्रति बोरी, वाहन से सब्जी लाने पर गेटपास के नाम पर प्रति बोरी 50 रुपये वसूला जाता है. ऐसा पिछले 9 सालों से लगातार चल रहा है. इस बीच, बीटीबी हटाव संघर्ष समिति की ओर से आंदोलन, जुलूस, वक्तव्य और अंततः पांच दिवसीय आमरण अनशन किया गया. आंदोलन के दौरान नगर परिषद भंडारा के तत्कालीन मुख्य अधिकारी ने अपनी अध्यक्षता में एक जांच समिति की स्थापना की और जांच के बाद बीटीबी को अवैध वसूली बंद करने का आदेश दिया था.

मंडी के गेटों पर लगाए थे नोटिस बोर्ड

वसूली बंद ना होने पर अपराध दर्ज करने की चेतावनी भी दी गई थी जिसके बाद बीटीबी द्वारा कुछ दिनों के लिए वसूली बंद कर दी गई थी. साथ ही मंडी के दोनों गेटों पर नोटिस बोर्ड लगा दिए गए थे. हालांकि दुबारा बीटीबी द्वारा अवैध वसूली शुरू करने से नए नगर परिषद मुख्याधिकारी को पुराने आदेश के हवाले कार्रवाई करने की विनती की गई जो उन्होंने तथाकथित तौर पर ठुकरा दी. समिति का आरोप है की बीटीबी और मुख्याधिकारी मिलीभगत से व्यापारियों, किसानों, नागरिकों को भारी आर्थिक रूप से लूट रहे हैं. यह एक संगठित वित्तीय अपराध है जिसके लिए मामले को गंभीरता से लेकर दोनों के खिलाफ जल्द से जल्द आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की गई है.

शिवसेना की ओर से शहर में कई जगह अभियान BTB हटाने में हजारों का हस्ताक्षर

भंडारा : बीटीबी सब्जी मंडी का विवाद थमने का नाम लेता नहीं दिख रहा. अब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने सब्जी मंडी के गेट के साथ शहर में जगह जगह बीटीबी हटाव आंदोलन के जरिए हस्ताक्षर अभियान चलाया जिसमें हजारों लोगों ने हस्ताक्षर किए. शिवसेना का आरोप है की भंडारा नगर परिषद के भ्रष्ट पदाधिकारियों और अधिकारियों ने 2015 में शहर में थोक सब्जी विक्रेताओं के कारण यातायात में होने वाले व्यवधान का बहाना बना कर फर्जी कंपनी के साथ 9 साल के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए और मामूली शुल्क के एवज में सब्जी मंडी कंपनी के हवाले कर दी. जिस समय यह अनुबंध हस्ताक्षरित किया गया था. यह जगह फ़्लड जोन में थी, फिर भी बिना कोई बदलाव किए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए, शिव सेना ने आरोप लगाया कि विगत 9 वर्षों से बीटीबी कंपनी ने विभिन्न माध्यमों से किसानों एवं व्यापारियों से लूट की है. 30 जून 2024 को नगर परिषद और बीटीबी कंपनी के साथ अनुबंध समाप्त हो गया है और 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ अनुबंध को नवीनीकरण न करने के लिए शिवसेना ने भंडारा में विभिन्न स्थानों पर 'हस्ताक्षर अभियान' चलाया जिसमें हजारों लोगों ने हस्ताक्षर कर लूट रोकने की मांग की. शिवसेना ने चेतावनी दी है की इसके बाद भी अगर नगर परिषद भंडारा ने अनुबंध बढ़ाया तो शिवसेना जोरदार आंदोलन करेगी.

भंडारा विधानसभा क्षेत्र में महाविकास आघाड़ी तथा माहयुति से किसको मिलेंगी उम्मीदवारी?

शासकीय अधिकारियों की उम्मीदवारी के लिए लोगो की पसंद? चर्चा का विषय..

विधानसभा की टिकट के लिए इच्छुक उम्मीदवार लगा रहे जोर..

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा विधानसभा में विधानसभा चुनाव को लेकर गांव गांव शहर में चर्चा चल रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा के पूर्व सांसद सुनील मेंढे को कांग्रेस के सांसद प्रशांत पडोले ने पराजित कर जीत हासिल की। भंडारा गोंदिया लोकसभा में सात विधानसभा से कांग्रेस के सांसद ने पांच विधानसभा में बढ़त ले कर जीत हासिल की। एक और भंडारा के विधायक नरेंद्र भोंडेकर भंडारा पवनी विधानसभा क्षेत्र के विकास कामों में बड़ी बड़ी निधि ला कर विकास कर रहे है।

उसी तरह से महायुति के विधानसभा के उमेदवारो में शिवसेना से नरेंद्र भोंडेकर , भाजपा से अनूप ढोके, राजकुमार गजभिए, कैलाश ताडेकर, मनोहर खरोले, आशु गोंडाने भाजपा से उमेदवारी के लिए चर्चा में बने हुए है। उसी प्रकार महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस की और से पूजा ठवकर,धनंजय तिरपुड़े,प्रेम सागर गणवीर, यासुदास सांडेकर. शिवसेना (उबाठा) से नरेंद्र पहाड़े, दीपक गजभिए ,आकाश दुर्गे ,और राष्ट्रवादी (शरद पवार) से अजय मेश्राम तो राष्ट्रवादी (अजीत पवार) से चेतन डोंगरे इनकी उम्मीदवारी की चर्चा भंडारा विधानसभा में चल रही है।

साथ ही यही कहा जा रहा है की, इस चुनाव में शासकीय अधिकारियों का भंडारा विधानसभा क्षेत्र में लोगो की पसंद बन कर कांग्रेस से उम्मीदवारी के लिए जनता में कुछ नाम चर्चा में चल रहे है।

जिसमे डॉक्टर अतुल टेंभूर्ने ,उसी प्रकार पुलिस उपनिरीक्षक अरविंद जगने, ऐसे दो शासकीय अधिकारी के कांग्रेस के ओर से जनता की पसंद और चर्चा में उम्मीदवारी के लिए नाम चल रहे है। क्या इस बार महायुति रहेगी तो भंडारा पवनी विधानसभा क्षेत्र से किसको टिकट मिलती है। यह चर्चा का विषय भंडारा जिले चल रहा है। उसी प्रकार महाविकास आघाड़ी से किसको अपनी किस्मत आजमा ने का मौका मिलता है?? या फिर एक बार भंडारा विकास पुत्र नरेंद्र भोंडेकर को टिकट मिलने के बाद फिर से लोगो की पसंद बनती है तो जीत का शहरा किसके सर पर चढ़ता है।

शासकीय अधिकारी

पुलिस उपनिरीक्षक अरविंद जगने

डॉ.अतुल टेंभूर्ने

महायुति शिवसेना (शिंदे गट)

आ.नरेंद्र भोंडेकर

महायुती भाजपा

मनोहर खरोले

आशु गोंडाने

राजकुमार गजभिए

अनुप ढोके

महाविकास आघाड़ी कांग्रेस

प्रेमसागर गणवीर

पूजा ठवकर

धनंजय तिरपुडे

महाविकास आघाड़ी राष्ट्रवादी (शरद पवार गट)

अजय मेश्राम

महाविकास आघाड़ी शिवसेना (उबाठा)

नरेंद्र पहाड़े

राज्य सरकार का बजट जनोन्मुखी... पूर्व सांसद मेंढ़े ने किया दावा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महायुती सरकार द्वारा पेश किया गया अनुपूरक बजट समाज के सभी वर्गों के लिए न्यायपूर्ण और जनोन्मुखी है, यह दावा भंडारा के पूर्व सांसद सुनील मेह ने किया. सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में वे बात कर रहे थे. मेंढ़े ने आगे कहा की राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार ने गरीबों, पिछड़े वर्गों, ओबीसी, आदिवासियों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और समाज के सभी महत्वपूर्ण तत्वों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक व्यापक बजट पेश किया.

जिससे यह साफ है कि बजट अच्छा है और सभी मानदंडों पर खरा उतरता है. इस जनोन्मुखी बजट के लिए वह पूरी सरकार को बधाई देते हैं. महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना बहुत महत्वाकांक्षी है और महिलाओं को सशक्त बनाती है, हम भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में ऐसे लाभार्थियों को मार्गदर्शन और सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए एक कक्ष स्थापित करने की पहल करेंगे ताकि हर जरूरतमंद लाभार्थी महिला को इस योजना का लाभ मिल सके. सामूहिक विवाह के लिए 10 हजार रुपये का अनुदान बढ़ाकर 25 हजार कर दिया गया है. पर्यटन स्थलों पर रहने वाली महिलाओं को व्यवसाय स्थापित करने के लिए 'आई' योजना के माध्यम से 15 लाख का व्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा.

घरकुल के लिए 100 करोड़ दिए गए किसानों के लिए बिजली बिल माफी, सोलर पंप जैसी योजनाएं लाभकारी होंगी. 10 लाख युवाओं को 10 हजार विद्या वेतन और उद्योग प्रशिक्षण दिया जाएगा. आदिवासियों के घरकुल के लिए 100 करोड़ रुपये दिए गए हैं. उन्होंने विश्वास दिलाया की सभी भाजपा कार्यकर्ता इस योजना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे. प्रेस वार्ता में चैतन्य उमालकर, अनुप ढोके, मयूर बिसेन, विनीद बांत, प्रेमचंद भोपे, मधुरा मदनकर, चंद्रकलाताई भोपे आदि उपस्थित थे.

शेतकऱ्यांना बनवा कर्ज परतफेडीस सक्षम

संपादकीय

विधानसभेच्या अधिवेशनाला राज्यात नुकतीच सुरुवात झाली आहे. आगामी विधानसभा निवडणुकीच्या पार्श्वभूमीवर शेतकऱ्यांच्या मुद्द्यांवर सरकारला घेरण्याची जोरदार तयारी विरोधी पक्षांनी केलेली आहे. शक्तिपीठ महामार्गापासून ते वाढत्या शेतकरी आत्महत्या असे अनेक विषय विरोधी पक्षांच्या अजेंड्यावर आहेत. तेलंगणामध्ये नव्याने सत्तेत आलेल्या काँग्रेस सरकारने तेथील शेतकऱ्यांचे दोन लाखांपर्यंतच्या कर्जमाफीचा निर्णय नुकताच घेतला आहे. त्याच धर्तीवर महाराष्ट्रातही शेतकऱ्यांच्या कर्जमाफीची मागणी करून सरकारला कोंडीत पकडण्याचा डाव विरोधी पक्षांनी आखला आहे. मागील अनेक वर्षांपासून विवाणे पेरणीपासून ते शेतीमाल घरात येईपर्यंतच्या नैसर्गिक आपत्ती वाढल्या आहेत. त्यातच नुकसान भरपाई देण्यात विमा कंपन्यांकडून प्रचंड कुचराई होतेय. शिवाय केंद्र सरकारच्या चुकीच्या धोरणांचा फटका बसून शेतीमालाचे दर पडत आहेत.

शेती हा व्यवसाय आतबट्ट्याचा ठरतोय. त्यामुळे सरकारने सरसकट सातबारा कोरा करून कर्जमाफी द्यावी, अशी मागणी शेतकऱ्यांमधून जोर धरत आहे, राज्यात कर्जबाजारीपणाला कंटाळून शेतकऱ्यांच्या आत्महत्या वाढत असताना कर्जमाफीतून त्यांना अल्प दिलासा मिळू शकतो, हे खरे आहे. परंतु अर्थतज्ज्ञांकडून शेतकऱ्यांच्या कर्जमाफीला आतापर्यंत विरोधच झाला आहे. शेतकऱ्यांना कर्जमाफी दिली म्हणजे बँकांचा ताळेबंद आणि सरका- रची आर्थिक स्थिती बिघडते, शेतक ऱ्यांची कर्जपरतफेडीची नैसर्गिक प्रणाली नष्ट होते. एवढेच नाही तर कर्जमाफीमुळे शेतकऱ्यांची आर्थिक शिस्तही बिघडते, असे त्यांचे म्हणणे असते.

हेच अर्थतज्ञ बँका वड्या उद्योजकांना 'राइट ऑफ' च्या माध्यमातून शेतकऱ्यांच्या कर्जमाफीपेक्षा कितीतरी अधिक पटीने कर्जमाफी देतात, त्या वेळी मात्र मूग गिळून गप बसतात, याचे नवल वाटते. अलीकडे कर्जमाफी ही निवडणूक जाहिरनाम्याचा मुख्य घटक बनत आहे. सत्ता टिकवायची असेल अथवा सत्तेत यायचे असेल, तर कर्जमाफीचा समावेश निवडणूक जाहीरनाम्यात अनेक पक्ष करीत आहेत. गंभीर बाब म्हणजे यापूर्वी पंजाब, उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र या राज्यांनी शेतकऱ्यांची कर्जमाफी करूनही परिस्थितीत फारसा काही बदल झाला नाही. महाराष्ट्र राज्यात तर मागील सहा-सात वर्षांत दोनदा शेतकऱ्यांची कर्जमाफी करूनही त्यांच्या आत्महत्या थांबत नाहीत. यावरून कर्जमाफीतून शेतकऱ्यांना तात्पुरता दिलासा मिळतो, हेच सिद्ध होते. त्याचवेळी कर्जमाफीच्या निर्णयाने शेतकऱ्यांचे मूळ प्रश्न झाकाळून जातात. कर्जमाफी दिली म्हणजे शेतकऱ्यांचे सर्व प्रश्न सुटले, अशा आविर्भावात राज्यकर्ते असतात. शेतकऱ्यांची कर्जमाफी झाली तरी त्यांना पुढील हंगामासाठी कर्ज घ्यावेच लागते. अशावेळी कर्ज परतफेडीची पत शेतकऱ्यांमध्ये निर्माण केली गेली पाहिजे.

पिकांची उत्पादकता वाढ, नैसर्गिक आपत्तीतील नुकसानीत तत्काळ भरपाई, प्रत्येक पिकाच्या मूल्यसाखळी विकासाबरोबर बाजार व्यवस्थेत आमूलाग्र बदल कर- ावे लागतील. त्यासाठी शेतीत गुंतवणूक वाढवून पायाभूत सुविधा निर्माण कराव्या लागतील. उत्पादित शेतीमालास रास्त भाव आणि तो बाजारात मिळण्याची हमी पाहिजे. त्यासाठीची यंत्रणा कार्यक्षम कर- ावी लागेल, शेतकऱ्यांसाठीच्या पतपुरवठ्यातही आमूलाग्र बदल करावा लागेल. पीककर्जाबरोबर शेतकरी कुटुंबातील सदस्यांचे आजारपण, शिक्षण, निवारा, सिंचन सुविधा, जमीन सुधारणा, पशुधन विकास यासाठी विनव्याजी अथवा अत्यंत कमी व्याजदर- वर कर्जपुरवठा झाला पाहिजे. अल्प, अत्यल्प भूधारकांची शेती किफायती ठरण्यासाठी गट, समूह शेती तसेच उत्पादक कंपन्या यामध्ये भविष्यात अधिकाधिक शेतकरी समाविष्ट होतील, ही काळजी घ्यावी लागेल. हे करीत असताना शेतीवरील अतिरिक्त भार कमी करावा लागेल. त्यासाठी राज्याच्या ग्रामीण भागात उद्योग- व्यवसाय उभे करावे लागतील. यातून शेतकऱ्यांच्या मुलांना त्यांच्या परिसरात रोजगार मिळेल. शेतकरी कुटुंबाचे उत्पन्न वाढून त्यांचे ते घेतलेले कर्ज परतफेडीस सक्षम होतील अन सरकारला वारंवार कर्जमाफी करावी लागणार नाही.

आचारसंहिता संपली, आता उर्वरित रेशन कार्डधारकांना मिळणार साडी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : लोकसभा निवडणुकीच्या पूर्वी राज्य शासनाकडून अंत्योदय रेशन कार्ड असणाऱ्या लाभार्थ्यांना एक साडी भेट देण्याचा कार्यक्रम सुरू करण्यात आला होता. मात्र, लोकसभा निवडणुकीची आचारसंहिता लागू झाल्यानंतर साडी वाटपास ब्रेक लागला होता. आता आचारसंहिता शिथिल झाल्यामुळे साडी वाटप सुरू करण्याचा निर्णय शासनाकडून घेण्यात आला आहे.

भंडारा जिल्ह्यात शिल्लक असलेल्या लाभार्थ्यांना साडी वाटप सुरू करण्याच्या सूचना जिल्हा पुरवठा विभागाकडून करण्यात आल्या आहेत. शासनाने यावर्षी फेब्रुवारी महिन्यात राज्यातील अंत्योदय रेशनकार्डधारक लाभार्थीनां वर्षातून एकदा मोफत साडी देण्याचा निर्णय घेतला आहे. त्यानुसार, मार्च महिन्यापासून रेशन दुकानांमधून या साड्यांचे वितरण

सुरू करण्यात आले होते.

भंडारा जिल्ह्यातील सुमारे ६६ हजार १०४ अंत्योदय रेशनकार्डधारकांना साडी वाटपाचे नियोजन करण्यात आले. हातमाग विकास महामंडळाकडून लाल, हिरवा, पिवळा व निळ्या अशा चार रंगात या साड्यांचा पुरवठा शासनास करण्यात आला होता.

यानुसार, भंडारा जिल्ह्यात प्राप्त झालेल्या साड्याचे वाटप सुरू करण्यात आले होते. पुरवठा विभागाकडून रेशन धान्य दुकानदारांना प्रणालीवर आधारित पीओएस यंत्राचे वाटप करण्यात आले आहे. याच नवीन यंत्रावर साडी वितरीत केल्याची नोंद करण्यात आलेली आहे. पूर्वी साडी मिळालेल्या लाभार्थ्यांना वगळण्यात आले आहे.

१६ मार्चपासून वितरण थांबले

केंद्रीय निवडणूक आयोगाने १६ मार्च रोजी लोकसभा निवडणुकीच्या तारखांची घोषणा केली होती. या दिवसापासून देशात आचारसंहिता लागू करण्यात आली होती. यामुळे साडी वाटप थांबवण्याचा निर्णय प्रशासनाकडून घेण्यात आला आहे. जिल्ह्यात सुमारे ६६ हजार अंत्योदय कार्डधारक आहेत. यातील ६० टक्के लाभार्थ्यांना साड्यांचे वाटप करण्यात आले आहे. उर्वरित लाभार्थ्यांना साडी वाटप सुरू करण्याचा निर्णय घेण्यात आला आहे.

पीओएस यंत्रावर नोंद

उर्वरित लाभार्थ्यांनाच साडी मिळणार आहे. १६ मार्चपासून साडी वाटप थांबविण्यात आले होते. लोकसभा निवडणूक संपल्यानंतर साडी वाटप करण्यात येईल, असे सांगण्यात आले होते. यामुळे अनेक लाभार्थ्यांचे साडी वाटप रखडले होते. आता त्या उर्वरित लाभार्थ्यांना साडी वाटपाचा मार्ग मोकळा झाला आहे. रेशन दुकानधारकांकडे असणाऱ्या पीओएस यंत्रावर नोंद केल्यानंतर साडी लाभार्थ्यांच्या हातात पडणार आहे.

> **आचारसंहितेमुळे साडी वाटप थांबविण्यात आले होते. निवडणूक पार पडल्यामुळे साडी वाटप करण्याच्या सूचना रेशन दुकानदारांना देण्यात आल्या आहेत. ज्या कुटुंबातील लाभार्थ्यांना साडी मिळालेली नाही. अशा लाभार्थ्यांनी रेशन दुकानावर जाऊन साडी घेऊन जावी.**
>
> **- नरेश वंजारी, जिल्हा पुरवठा अधिकारी, भंडारा.**

भरधाव मारुती व्हॅनची कारला धडक; अपघातात ४ जखमी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : दि. २७ जून २४ चे ११ वाजून ४० वाजताच्या दरम्यान साकोली येथील अल्तमस अस्फाक खान वय ४२ वर्ष राहणार गणेश वार्ड साकोली व मोनिस इस्माईल खान वय ४२ वर्ष राहणार गणेश वार्ड साकोली हे आपल्या चार चाकी इंडिका विस्टा गाडी क्रमांक एम एच ३६ एच २३३४ ने साकोली वरून अर्जुनी मोरगाव कडे जात होते.

साखरा शिवारातील साखरा फाट्याजवळ सानगडी कडून विरुद्ध दिशेने भरधाव येणाऱ्या ओमनी क्रमांक एम एच ३१ सीआर १४०४ च्या चालकाने निष्काळजीपणाने व हयगईने गाडी चालवल्यामुळे झालेल्या अपघातात भरधाव येणाऱ्या ओमनी च्या चालकाचे दोन्ही पाय निकामी झाले. आरोपी चालकाच्या बाजूला बसलेला इसम सुद्धा जखमी झालेला

आहे. फियार्दी सोबत बाजूच्या सीटवर बसलेल्या मोनीस खान यांच्या हाताला जबर दुखापत झाली असून डाव्या हातामध्ये तीन फ्रॅक्चर झालेत. उपचाराकरिता नागपूर येथे भरती करण्यात आले आहे. फियार्दी अल्तमास खान यांच्या तोंडी सूचनेनुसार व जखमीच्या वैद्यकीय अहवालावरून साकोली पोलिसांनी मारुती व्हॅन च्या अज्ञात चालका विरुद्ध अपराध क्रमांक ३४२ / २०२४ कलम २७९ ,३३७ ,३३८ भादवी सह कलम १८४ मोवाका अंतर्गत गुन्हा दाखल केला आहे. पोलीस निरीक्षक रमाकांत कोकाटे यांच्या मार्गदर्शनाखाली पोलीस उपनिरीक्षक वडुले व पोलीस हवालदार प्रतीक बोरकर पुढील तपास करीत आहेत.

साकोलीत रात्री हायवेवर बिबट्याचा मृत्यू

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : शहराजवळ जांभळी सडक येथे रविवारी दि. ३० जून २०२४ च्या रात्री १२:१५ ला राष्ट्रीय महामार्ग ५३ वर मृतावस्थेत बिबट पडून आहे. याची माहिती सहाय्यक पोलीस अधिक्षक सुशांतकुमार सिंह यांना मिळताच त्यांनी तातडीने चमुसह घटनास्थळ गाठून मृतक बिबट्याला वनविभागाकडे सोपवित रोडवर सुसाट वाहनांमुळे होणाऱ्या बिबट मृतदेहाचे अवशेष नष्ट होण्यापासून वाचवले.

रविवारी ३० जूनला रात्री १२:१५ दरम्यान उपविभागीय पोलीस अधिकारी यंत्रणेला फोनद्वारे माहिती मिळाली की, जांभळी/सडक येथे राष्ट्रीय महामार्गावर एक बिबट मरण पावलेला असून तो रस्त्यावरच पडून आहे. लगेच

साकोली उपविभागीय पोलीस अधिकारी तथा सहाय्यक पोलीस अधीक्षक सुशांतकुमार सिंह हे स्वतः सोबत पोलीस नायक स्वप्निल गोस्वामी, पोलीस ठाणे नायक शुभम घाटबांधे, चालक पोलीस डुलिराम खंडाईत व वन्यप्रेमी प्रवीण शेंडे हे घटनास्थळी दाखल झाले.

सहाय्यक पोलीस अधिक्षक सुशांतकुमार सिंह यांनी वनविभाग आय एफ एस अधिकारी पवन जेफ यांना तात्काळ फोनद्वारे माहिती दिली. घटनास्थळी वनरक्षक आचल कोरे व वनविभाग चमु आल्यावर मृतक बिबट त्यांच्या स्वाधीन करण्यात आले. या घटनेत विशेष म्हणजे सहाय्यक पोलीस अधिक्षक सुशांतकुमार सिंह व पोलिस चमुने वन्यप्राणी मृत्यू होताच तत्परता दाखवून रात्री या महामार्गावर सुसाट वाहनांमुळे होणाऱ्या बिबट मृतदेहाचे अवशेष छिन्नविछिन्न व तुकडे होण्यापासून वाचविले आहे.

बेटाळा घाटावरील ८० ब्रास अवैध रेती साठा जप्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

मोहाडी : बेटाळा रेती घाटावरून अवैधपणे रेती काढून ठेवण्यात आलेला ८० ब्रास रेती साठा महसुल पथकाने जप्त करून शासकीय रेती डेपोत जमा केला. मोहाडी तालुक्यातील बेटाळा येथुन वाहणाऱ्या वैनगंगा नदी पात्रातील रेती घाटातून अवैध रेती वाहतूक करण्यासाठी काढून ठेवण्यात आलेला ८० ब्रास रेती साठा महसूल विभागाच्या गस्ती पथकाच्या नजरेस पडला असता मोजमाप करून हा संपूर्ण रेती साठा तेथून उचलून शासकीय रेती डेपोमध्ये जमा करण्यात आला.

वैनगंगा नदी पात्रातील पांढरीशुभ्र व बारीक रेती नागपूर येथे प्रसिद्ध असुन या रेतीची मोठ्या प्रमाणात मागणी आहे. या रेतीला तेथे सोन्यासारखा भाव मिळत असल्याने येथील रेती माफीया प्रशासनाला हुलकावणी देत नदीपात्रातील पांढरी

शुभ्र रेती काढून काठावर डम्पिंग करतात व नंतर ही रेती ट्रक, टिप्पर च्या साह्याने, नागपुर, वर्धा, अमरावती कडे पाठविली जाते. सूचना मिळाल्यावर महसूल पथक त्यांच्यावर कारवाई करत असते. ही कारवाई नायब तहसीलदार सुखदेव चांदेवार यांच्या आदेशान्वये तलाठी विकास कदम बेटाळा, तलाठी कार्तिक सिरसकर निलज, कोतवाल चंद्रकुमार नंदनवार, कोतवाल आरिफ शेख व चालक कृष्णा भोयर यांनी केली या कारवाईमुळे रेती चोरांचे मोठे नुकसान झाल्याची चर्चा आहे.

सरकारी स्वस्त धान्य डिलर संघाचे विविध मागण्यांचे निवेदन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : अखिल महाराष्ट्र राज्य स्वस्त धान्य दुकानदार व केरोसिन परवानाधारक महासंघ पुणे यांच्याद्वारे राज्यस्तरीय धरणे आंदोलन आयोजित करण्यात आले होते. त्या आंदोलनाला पाठिंबा देण्यासाठी सरकारी स्वस्त धान्य दुकानदार संघटना भंडारा जिल्ह्याच्या वतीने दुकानदारांच्या मागण्यासंदर्भात येथील तहसीलदारामार्फत शासनास निवेदन देण्यात आले.

निवेदनात, राज्यातील रास्त भाव दुकानदारांच्या मार्जिनमध्ये आजच्या महागाई निर्देशांकानुसार किमान १०० रुपये प्रति क्विंटल इतकी वाढ करण्यात यावी. रेशनकार्डमधील प्रत्येक लाभार्थ्यांची आधार क्रमांकासह पडताळणी अर्थात ई- केवायसी करणे ही निरंतर प्रक्रिया असायला हवी, त्यासाठी वेळेचे

बंधन नसावे, तसेच ई-केवायसी व मोबाइल सीडिंग करण्यासाठी प्रति सदस्य ५० रुपये इतके शुल्क संबंधित लाभार्थ्यांकडून वसूल करण्याची परवानगी देण्यात यावी. अन्नसुरक्षा कायद्याद्वारे महाराष्ट्र राज्यासाठी मंजूर असलेल्या ७,००,१६,६८३ इतक्या इष्टांक मर्यादेत पात्र लाभार्थ्यांची निवड करण्यासाठी प्रत्येक तहसील कार्यालयात शिधापत्रिकेसंबंधित ऑनलाइन डेटाएन्ट्रीची सर्व प्रलंबित कामे तातडीने पूर्ण करण्यात यावीत.

याकरिता संपूर्ण राज्यातील रास्त भाव दुकानदारांना आसीएमएस लॉगइन करून देण्यात यावेत. शासकीय धान्य गोदामातून देण्यात येणारे अन्नधान्य हे केवळ जूट बारदानामध्येच देण्यात यावे, ५० किलोच्या प्लास्टिक पिशवीमध्ये देण्यात येऊ नये, तसेच संपूर्ण राज्यामध्ये एनपीएच प्रवगार्तील केशरी शिधापत्रिकाधारकांना देखील अन्नधान्य देण्यात यावे. संपूर्ण राज्यामध्ये अंत्योदय योजनेतील सातपेक्षा अधिक सदस्य असणाऱ्या साधारण ९० हजार शिधापत्रिका अंत्योदयऐवजी प्राधान्य कुटुंब योजनेत वर्ग करण्यात याव्यात आदी मागण्यांचा समावेश आहे.

स्थायी शिक्षक न मिळाल्यास आंदोलन करण्याचा पालकांचा इशारा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शहरालगतच्या टवेपार येथील जिल्हा परिषद प्राथमिक शाळेत गत वर्षभरापासून स्थायी शिक्षक नाही. शैक्षणिक सत्राला सुरुवात होत असतानाही जिल्हा परिषद शिक्षण विभाग याप्रकरणी गंभीर नाही. त्यामुळे विद्यार्थ्यांचे होणारे नुकसान लक्षात घेत स्थायी शिक्षकाच्या मागणीसाठी टवेपार येथील शाळा व्यवस्थापन समिती, पालक, ग्रामपंचायत पदाधिकारी आक्रमक झाले आहेत. शिक्षण विभागाच्या बेपर्वाईविरोधात १ जुलैपासून शाळाबंद आंदोलन करण्याचा इशारा त्यांनी मुख्य कार्यपालन अधिकारी यांना तक्रार निवेदनातून दिला आहे.

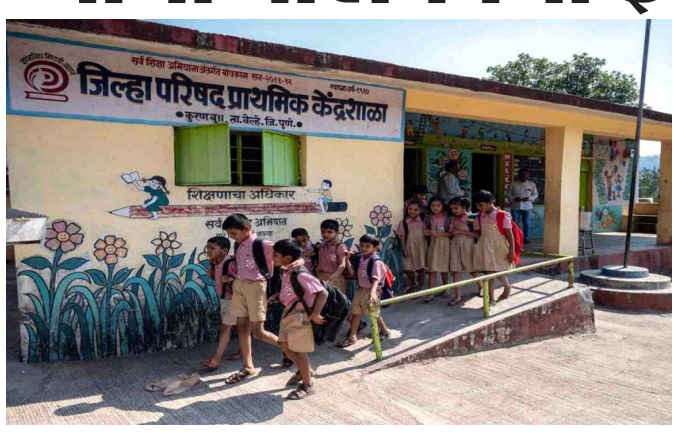

जिल्हा परिषद प्राथमिक शाळा टवेपार येथे एका शिक्षकाची स्थायी नियुक्ती करण्याबाबत ३ एप्रिल २०२३,

२३ मे २०२३, ६ जून २०२३ व ४ मार्च २०२४ जिल्हा परिषद शिक्षण विभागाला पत्रव्यवहार करण्यात आला होता. परंतु, अद्यापही शिक्षण विभागाकडून स्थायी शिक्षकाची नियुक्ती झालेली नाही. यापूर्वी शाळा व्यवस्थापन समितीच्यावतीने २७ जून २०२३ आणि ४ मे २०२४ रोजी पत्र देऊन शाळाबंद आंदोलन करण्यात आले होते.

त्यानंतर शिक्षण विभागाच्यावतीने टवेपार शाळेत स्थायी नियुक्ती देण्यासंदर्भात जुन्या प्रभारी शिक्षकास शैक्षणिक कार्य करण्याकरिता आदेश दिलेले असल्याचे पत्राद्वारे कळविले गेले. त्यामुळे शाळा समिती, पालक व ग्रामपंचायत पदाधिकाऱ्यांनी शाळाबंद आंदोलन मागे घेत प्रशासनाला सहकार्य केले होते. परंतु, सत्र २०२४- २५ ला सुरुवात झालेली आहे. मात्र, अद्यापही एका सहायक शिक्षकांची स्थायी नियुक्ती मिळालेली नाही. त्यामुळे शाळा समिती व पालकांत नाराजीचा सूर आहे.

मुख्य कार्यपालन अधिकाऱ्यांना निवेदन देतेवेळी शाळा व्यवस्थापन समिती अध्यक्ष नीता लुटे, उपाध्यक्ष शरद कडव, सदस्य भारती लुटे, गोपाल सेलोकर, सरपंच रिना गजभिये, प्रभू मते, रामसागर कातोरे, श्रीकांत मते, राजेश तिजारे, माया मेश्राम आदी पदाधिकारी व पालक उपस्थित होते.

नवतलाव येथील जागेवरील अतिक्रमण तातडीने हटवा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : शहराच्या उत्तर दिशेने असलेल्या नवतलाव परिसरात पाच ते सात एकर जागेवर करण्यात आलेले अतिक्रमण ७ दिवसांचे आत तातडीने हटवा, अन्यथा उपोषण व आंदोलन करण्यात येईल असा इशारा साकोली शहरवासीयांनी तहसीलदारांना दिलेल्या निवेदनात म्हटले आहे. साकोली येथील नवतलाव परिसरात (कटकवार शाळेजवळ) काही असामाजिक कंटकांनी पाच ते सात एकर शासकीय जागेवर अतिक्रमण करून ती जागा स्वतः व परजिल्ह्यातील लोकांना विक्री करण्याचा सपाटा उचललेला आहे. ही जागा सार्वजनिक कायासाठी मोकळी करून अतिक्रमण हटवावे. भविष्यातसाकोली जिल्हा झाल्यास ही जागा शासकीय कार्यालय, म्हाडा कॉलनी किंवा जनहितार्थ कार्यासाठी उपयोगी ठरणार आहे.

शहरवासीयांच्या मते, या जागेवर एका व्यक्तीने अतिक्रमण करून काही जागा पर जिल्ह्यातील लोकांना विकण्याचा धंदा सुरू केला असल्याचे सांगितले जाते.

दरम्यान, या जागेवर करण्यात आलेले अतिक्रमण सात दिवसाच्या आत हटविण्यात यावे अन्यथा आंदोलन व उपोषण करण्यात येईल असा इशारा तहसीलदार यांना दिलेल्या निवेदनामध्ये म्हटले आहे. या निवेदनाच्या प्रत तहसीलदार सह, जिल्हाधिकारी, मुख्याधिकारी, पोलीस निरीक्षक साकोली यांना दिलेले आहेत.

निवेदन देतेवेळी प्रकाश राणा मेश्राम, शरद कापगते, ग्यानीराम गोबाडे, विकास परशुरामकर, विष्णू रणदिवे, नरेंद्र वाडीभस्मे, विवेक राऊत, नंदकिशोर वासनिक, पंकज गेडाम, ओम गायकवाड, किशोर पोगडे, मोहन बोरकर, इम्रान खान, इमरान पठाण, दीपक थानथराटे, सुरेश सिंह बघेल, राकेश सीडाम, विकी गणवीर, अनिल गुप्ता, संदीप गुप्ता, सुरेश संग्रामे यांसह अनेकांची नावे स्वाक्षऱ्यांसह या निवेदनावर आहेत.

तेजस्विनी बनेगी नेवी में अफसर... खड़कवासला में प्रशिक्षण, महाराष्ट्र से एकमात्र छात्रा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : एसजीबी डिफेंस सर्विस जूनियर कॉलेज की छात्रा तेजस्विनी पजाई ने दिखा दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति से सफलता हासिल की जा सकती है. 12वीं की परीक्षा पास करने से पहले तेजस्विनी ने नेशनल डिफेंस एनरोलमेंट (एनडीए) परीक्षा पास की और नौसेना में अधिकारी बन गईं. तेजस्विनी इतनी कम उम्र में नौसेना में अधिकारी के रूप में चयनित होने वाली महाराष्ट्र की पहली छात्रा बन गई हैं. अमरावती जिले की तेजस्विनी ने रक्षा ज्ञानोदय परीक्षा की तैयारी के लिए भंडारा जिले के शाहापुर में रक्षा सेवा जूनियर कॉलेज में प्रवेश लिया.

11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ते समय उसने रक्षा प्रबोधिनी परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी और योग्यता के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की. इसके बाद उन्होंने सेना में चयन के लिए खुद को साबित करने के लिए सितंबर 2023 में लिखित परीक्षा के

साथ-साथ शारीरिक और मेडिकल परीक्षण और जनवरी 2024 में पांच दिवसीय साक्षात्कार को सफलतापूर्वक पास किया.

तेजस्विनी की मेहनत का नतीजा है कि उन्हें सेना में नियुक्ति पत्र मिल गया है. उन्हें नौसेना में एक अधिकारी के रूप में चुना गया है और पुणे जिले के खड़कवाला में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के 152वें पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है.

हमारी रक्षा सेवा अकादमी के एक छात्रा का नौसेना में शामिल होना हमारे लिए गर्व की बात है. कम उम्र में महाराष्ट्र से चुनी गई एकमात्र तेजस्विनी को उनके करियर के लिए शुभकामनाएं.

- नरेंद्र पालांदुरकर,
प्राचार्य, डीएसए शाहापुर

तारीफों की बौछार

कलेक्टर योगेश कुंभेजकर और पुलिस अधीक्षक लोहित मतानी ने तेजस्विनी की सफलता की सराहना की है. प्रिंसिपल नरेंद्र पालांदूरकर ने तेजस्विनी को आमंत्रित किया और गुलदस्ता देकर उसका अभिनंदन किया. इस मौके पर डिफेंस सर्विस एकेडमी की प्रो. वंदना लुटे, प्रो. प्रसन्ना और सूर्या पालांदुरकर समेत कॉलेज के शिक्षक मौजूद थे

बिना रॉयल्टी रेत परिवहन करते ट्रैक्टर पकड़ा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : स्थानीय नदी घाट से रेत की अवैध निकासी कर ट्राली में भरकर बिना रायल्टी परिवहन करते ट्रैक्टर पकड़ा गया है. उक्त कार्रवाई विगत 30 जून को शाम 6:30 बजे के दौरान तहसील के दिघोरी/मो. में की गई है. इस कार्रवाई के तहत पुलिस ने दिघोरी/मो. निवासी प्रज्वल खराबे (22) नामक ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कुल 4.32 लाख रुपयों का माल जब्त किया गया है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के दिन शाम के दौरान दिघोरी/मो. के कुछ पुलिसकर्मी गश्त कर रहे थे. इस दौरान महिंद्रा सरपंच 415 डीआय कंपनी के (एमएच 36 जेड 4865) ट्रैक्टर से रेत परिवहन करते देखा गया.

हालांकि शाम के दौरान बीच बस्ती से रेत परिवहन होते देख गश्त के पुलिसकर्मियों ने रेत से लदा ट्रैक्टर रोककर चालक से रेत परिवहन की रायल्टी मांगी. इस दौरान चालक ने रायल्टी नहीं होने की जानकारी देते ही पुलिसकर्मियों ने रेत तस्करी के आरोप में मामला दर्ज कर कुल 4.32 लाख रुपयों का माल जब्त किया है. इस मामले की आगे की जांच दिघोरी/मो. के पुलिस कर रहे है.

५८ वृक्षांचा पहिला वाढदिवस शेणखताचा केक कापून साजरा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : मागील वर्षी (२०२३) ला येथील सेवानिवृत्त शिक्षिका सिंधू खोब्रागडे यांच्या सेवानिवृत्ती सोहळा आणि त्यांच्या ५८ व्या वाढदिवसाच्या निमित्ताने जिल्हा परिषद हायस्कूल प्रांगणात लावलेल्या ५८ वृक्षांचा पहिला वाढदिवस शेणखताचा केक कापून रविवार ३० जूनला एकता योगा ग्रुपकडून साजरा करण्यात आला. या अभिनव कार्यक्रमाची शहरातील वृक्षप्रेमी जनतेत प्रशंसा केली जात आहे हे विशेष. शहरातील जिल्हा परिषद शिक्षिका सिंधू राधेश्याम खोब्रागडे ह्या ५८ व्या वर्षी व त्यांच्या जन्मदिनीच ३० जून २०२३ ला सेवानिवृत्त झाल्या. या निमित्त जिल्हा परिषद हायस्कूल प्रांगणात एकता योगा ग्रुपकडून

येथे ५८ वृक्षांची लागवड केली. या वृक्षांची निगा राखण्यासाठी सुरक्षा कठडे, ठिबक सिंचन पाणी, खते टाकून आज ती सर्व झाडे ६ ते ७ फूट उंच झालीत. याची निरंतर आठवण रहावी म्हणून एकता योगा ग्रुपचे सदस्य व खोब्रागडे परीवाराने रविवार ३० जूनला सदर ५८ झाडांचा वाढदिवस शेणखतापासून बनलेला केक कापून साजरा केला.

यावेळी सर्व वृक्षांची पुजा अर्चना करीत एकता योगा ग्रुपकडून जिल्हा परिषद हायस्कूल प्रांगणात हा अभिनव कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला. ५८ वृक्षांचा पहिला वाढदिवस प्रसंगी एकता योगा व मॉर्निंग वॉक ग्रुपचे सेवानिवृत्त शिक्षिका सिंधू खोब्रागडे, राधेश्याम खोब्रागडे, उषा दत्ता, डॉ. अनिल शेंडे, कल्पना अतकरी, जयश्री भानारकर, कांता मारवाडे, शिक्षक बी. आर. चव्हाण, लता खंडेलवाल, मालती पटले, योगिता भुजाडे, छाया लाडे, मुक्ता तुमसरे, कांता रहांगडाले, योगिता रहांगडाले, शीला कटरे, छाया बांते, मनिषा काशिवार, आशा चौधरी, डॉ. बिसेन, सौ. पडोळे, शशि चेटूले, क्रिडा शिक्षक जितेंद्र ठाकूर, प्रभाकर सपाटे, भुपेश शेंडे, □ड. धर्मेंद्र अग्रवाल, केशव अतकरी, यादव गणवीर, चुडामण येवले, अरूण बडोले, फहीम शेख, सौ. भुते, सौ. उपासे, राठोड, सौ. गोबाडे, डि. जी. रंगारी, आशिष चेडगे व अन्य परीसरात नागरिक उपस्थित होते.

ट्रक ट्रॅव्हल्सच्या अपघातात ११ जखमी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : महामार्ग क्रमांक सहा वरील मोहघाटा जंगल शिवारात दिनांक २६ जून २४ च्या पहाटे अंदाजे पाच वाजून ३० मिनिटा वर ट्रक व ट्रॅव्हल्स यांच्यात झालेल्या भीषण अपघातात ११ लोक जखमी झाले असून जखमींच्या शासकीय रुग्णालयात उपचार सुरू आहे. साकोली पासून तीन किलोमीटर अंतरावर असलेल्या मोहटा जंगल परिसरात महामार्गावर सुरू असलेल्या नवीन पुलावर दिनांक २६ च्या पहाटे ५.३० मिनिटांनी छत्तीसगड येथील कांकेर ट्रॅव्हल्स ची बस क्रमांक सीजी ०४ पी एच ९९७२ ही खाजगी बस हैदराबाद वरून रायपुर कडे जात होता. विरुद्ध दिशेने रायपुर वरून पुणे येथे लोखंड घेऊन जाणारा ट्रक क्रमांक एम एच १७ बी वाय ७९८६ अमोरासमोर येत असताना ट्रॅव्हल्स च्या चालक शुभम उर्फ अमित शत्रुघ्न सिंह वय २६ वर्ष रा. बल्लहार, तहसील सिमोर जिल्हा रीवा मध्यप्रदेश याने बेजवाबदारपणे ट्रव्हल्स चालवून समोरून येणा□या ट्रकला जोरदार धडक दिली.

या अपघातात ट्रॅव्हल्स चालक व ट्रक चालक संदीप नवनाथ पगारे वय ३१ वर्ष रा. गुलेवाडी तालुका संगमनेर जिल्हा अहमदनगर हे गंभीर जखमी झाले असून यांच्यासोबत ट्रॅव्हल्स मध्ये असलेले प्रवासी अविनाश कुमार शुक्ला वय ३२ वर्ष ,जमना कुमारी राम गीर वय ४५ वर्ष, गंगोत्री निर्मलकर वय ३२ वर्ष , गौरी निर्मलकर वय १२ वर्ष, मोनू कुमार बैद्य वय २५ वर्ष, दीपक शाहू २६ वर्ष, गुलाब शाहू २४ वर्ष राहणार तेलंगाना वय ४० वर्ष, गौकरंनदास माणिकपुरी वय ३३ वर्ष, गेंदूराम शाहू वय ३५ वर्ष हे प्रवासी जखमी झाले आहे. त्यांना शासकीय रुग्णालय साकोली येथे उपचाराकरिता भरती करण्यात आल. या अपघाताच्या तपास पोलीस निरीक्षक रमाकांत कोकाटे यांच्या मार्गदर्शनाखाली पोलीस उपनिरीक्षक विजय हेमने करीत आहेत. ट्रॅव्हल्स चालक शुभम उफर्फ अमित शत्रुघन सिंह याच्यावर पोलिसांनी विभिन्न कलमा अंतर्गत गुन्हा नोंदविला असून पुढील तपास साकोली पोलीस करीत आहे.

दिर्घ विज गेल्याने ५०० कोंबड्यांचा मृत्यू

दिड लाखांचे नुकसान

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : शेतीपूरक कुकुटपालन व्यवसायाला दोन लाख ट्रॉन्सफार्मरचे भरून २४ तास विज पुरवठा संलग्न केला असतांना सुद्धा सोनपूरी येथील शेतक□याच्या पोल्ट्री फार्ममधील विद्युत पुरवठा सतत ६ तास खंडीत राहील्याने तब्बल ५०० च्या वर कोंबड्यांचा उष्णतेमुळे मृत्यू झाल्याची घटना बुधवारी २६ जूनला घडली. याबाबद तक्रारदार शेतक□याने या महावितरणच्या दिरंगाईमुळे दिड लाख रुपयांचे नुकसान झाले आणि हे नुकसान भरपाई भरून देण्याची मागणी तक्रारदार शेतक□याने केली आहे. अन्यथा ग्राहक मंच न्यायालयात जाण्याचा इशारा दिला आहे. सोनपूरी येथील शेतकरी गिरीश प्रकाश कठाणे यांनी बॅक ऑफ इंडिया मधून १२ लाखांचे कर्ज घेऊन गावीच

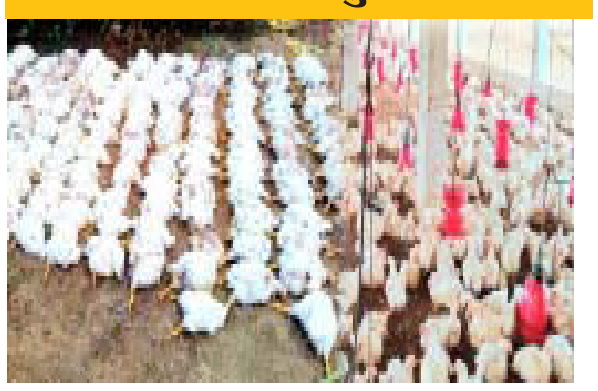

शेतीपूरककुकुटपालन व्यवसाय सुरू केला. बुधवार २६ जूनला स. ८ वाजता अचानक येथे विद्युत पुरवठा खंडित झाला. कठाणे यांनी एकोडी महावितरण अभियंता अमन जीवतोडे यांना फोन केला की, येथे २४ तास वीज पुरवठा संलग्न केला आहे व उष्णतेने पक्ष्यांची दयनीय अवस्था होत मृत्यू पावित आहेत.

लाईट गेल्यानंतर येथे त्यांचे ओजल पोल्ट्री फार्मवर कर्मचा□यांनी उष्णतेमुळे पक्षी वाचविण्यासाठी त्यांना थंड पाण्यात टाकून काढणे ही प्रक्रिया करून कोंबड्या वाचविण्यासाठी अतोनात प्रयत्न केले पण ते प्रयत्न विफल ठरले. यावर या शेतक□याच्या फोनवर महावितरण अभियंता अमन जीवतोडे यांनी उडवाउडवीची उत्तरे देत विज सुरू होणार नाही. असे शेतक□यास फोनवर सांगितले. यात ६ तासांपेक्षा जास्त अवधीने विज पुरवठा खंडीत झाला व बुधवारला ४७२ कोंबड्या आणि गुरूवार २७ ला पहाटे ५७ कोंबड्यांचा उष्णतेमुळे मृत्यू झाला. शेतकरी व कुकुटपालन व्यवसायिक गिरीश प्रकाश कठाणे यांनी महावितरणला दोन लाख रुपए भरून ट्रॉन्सफार्मर बसविला जेणेकरून या कुकुटपालन व्यवसायाला २४ तास वीज अबाधित राहील. पण महावितरणच्या दिरंगाईमुळे पाचशेच्या वर कोंबड्यांचा उष्णतेमुळे मृत्यू झाला. यात शेतक□याचे एकुण दिड लाख रुपयांचे नुकसान झाले सदर नुकसान भरपाईची मागणी शेतकरी गिरीश प्रकाश कठाणे यांनी महावितरणकडे केली आहे.

जेसीबी सह दोन टिप्पर ताब्यात; काही टिप्पर व ट्रॅक्टर फरार; गुन्हा दाखल नाही

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सिहोरा : वारपिंडकेपार नदीघटावरून २६ जून रोजी सकाळी ९ च्या सुमारास खणीकर्म व महसूल विभागाच्या वतीने संयुक्त कारवाई करण्यात आली. यात एक जेसीबी व दोन टिप्पर सिहोरा पोलिसांच्या ताब्यात देण्यात आले आहेत. घटना स्थळावरून काही टिप्पर व ट्रॅक्टर फरार झाले असल्याची माहिती पुढे आली आहे. जेसीबी व टिप्पर पोलिसांच्या ताब्यात असले तरी त्यांच्यावर गुन्हा दाखल झाला नसल्याचे सांगितले जात आहे. दंडात्मक कारवाई करण्याचे अधिकार तहसीलदार यांच्याकडेच असल्याचे पोलीसी वृत्त आहे. नदीच्या काठावर असलेले व गाव विकासाच्या बाता हाकणारेच राजकीय नेते अनधिकृत डंपिंग मध्ये सहभागी असल्याचे सांगितले जात आहे.

यात सत्ता पक्षाच्या राजकीय पुढा□यांची भूमिका महत्त्वाची असल्याचे वृत्त पुढे आले आहे. आणि आता रेत माफिया म्हणून त्यांचेच नाव समोर येत आहे. कुंपणच शेत खात असल्याचा धक्कादायक प्रकार पुढे आला

आहे. राज्य शासनाने शासकीय रेती डेपोला मंजुरी दिली आहे. बावनथडी नदीच्या काठावर सोंड्या आणि वारपिंडकेपार येथे दोन शासकीय डेपो मंजूर करण्यात आले आहेत. डेपो मालक व कंत्राटदार हे बाहेरचे असल्यामुळे गावाचा राजकारण करणारे राजकीय नेते व कार्यकर्ते यांची भागीदारी महत्त्वपूर्ण असल्याचे सांगितले जात आहे. २८ जून रोजी तुमसर बपेरा राज्य मार्गावरील ब्राह्मण टोला महालगाव फाट्यावर रेत माफी यांच्या मुस्क्या आवळण्यासाठी रस्ता रोको आंदोलन असतांनाही काल २६ जून रोजी वारपिंडकेपार रेती घाटावर अवैधरित्या जेसीपी लावून रेतीचा उपसा करणे म्हणजेच प्रशासनाच्या छातीवर लाथ मारुन जाण्यासारखेच आहे. म्हणजेच प्रशासन किती तत्पर आहे यावरून दिसून येते.

चार तासांच्या रास्ता रोको आंदोलनात दहा मागण्यांचे आश्वासन !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सिहोरा : महालगाव फाटा ते नाकाडोंगरी या १८ किमी अंतरच्या मागार्चे डांबरीकरण करण्यात यावे, जड वाहतुकीचे रेतीचे ट्रक बंद करण्यात यावे या ईतर मागण्यासाठी भंडाराबालाघाट राष्ट्रीय महामार्गावर चार तास रास्ता रोको आंदोलन महालगावचे सरपंच पारस भुसारी यांचे नेतृत्वात करण्यात आले. आंदोलनात महसूल आणि सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या अधिका□यांनी दहा आश्वासन दिले. अखेर निधीची प्रतिक्षाच करा, असे सांगून मार्ग मोकळा करण्याचे प्रयत्न झाले. आंदोलनकर्ते लेखी आश्वासनावर अडल्याने लेखी आश्वासन दिल्यानंतर आंदोलन मागे घेण्यात आले. बावनथडी नदीच्या काठावर शासकीय रेती डेपोला मंजुरी देण्यात आली आहे.

सोंड्या आणि वारपिंडकेपार असे रेतीचे डेपो आहेत. याच डेपोच्या शेजारी अनधिकृत रेतीची डंपिंग करण्यात येत आहेत. जड वाहतुकीचे ट्रक धावत असतांनामहालगाव फाटा ते नाकाडोंगरी या १८ किमीच्या मार्गावर खड्डेच खड्डे तयार झाले आहेत. याशिवाय महालगाव येथील नळ योजनेची जलवाहिनी पूर्णतः फुटली आहे. यामुळे गावात गेल्या तीन महिन्यांपासून गावक□यांना कृत्रिम पाणी टंचाईला गावक□यांना सामोरे जावे लागत आहे. जड वाहतुकीचे ट्रक धावत असताना पोलीस आणि महसूल विभागाचे अधिकारी जबाबदार आहेत. या

विभागाला तक्रारी दिल्यानंतर तो मी नव्हेच अशी भूमिका घेतली जात आहे.

दरम्यान शासकीय रेतीचे डेपो मंजूर करतांना रेतीच्या वाहतुकीला मार्ग निर्धारित करण्यात आले नाही. वारपिंडकेपार गावातून रेतीचे ट्रक धावत आहेत. याच मार्गावर दाट वस्तीचे घरे आहेत. याशिवाय मार्गावर जिल्हा परिषदेची प्राथमिक शाळा आहे. गावांचे बाहेरून रेतीच्या वाहतुकीस मार्ग देण्यात आला नाही. गावक□यांचे जीव धोक्यात आले असल्याचे माजी उपसरपंच रमेश तोरणकर यांनी सांगितले. विधानसभेच्या निवडणुकीत माजी आमदाराला रेती चोर असल्याचे स्थानिक लोकप्रतिनिधी हे भाषणात बोलत होते. आताही त्यांचे कार्यकाळात रेती चोरीचा सुळसुळाट सुरू आहे. त्यांनाही रेती चोर संबोधले जावे. असे सोंड्याचे माजी सरपंच देवानंद लांजे यांनी सांगितले आहे. रेतीचे डेपो मंजूर करताना राज्य मागार्ची गुणवत्ता तपासण्यात आली नाही. रेतीच्या जड वाहतुकीला मार्ग सक्षम आहे किंवा नाही. असे सार्वजनिक बांधकाम विभागाने नाहरकत पत्र दिले नाही. तरीही बेधडक रेतीचे ट्रक धावत आहेत. दुचाकी चालकांचे खड्डयात अपघात वाढले आहेत. हा १८ किमीच्या मागार्चे तात्काळ डांबरीकरण करण्यात यावे या समस्यांना घेऊन भंडारा-बालाघाट राष्ट्रीय महामार्गावरील महालगाव फाटा येथे सरपंच पारस भुसारी यांचे नेतृत्वात चार तास रास्ता रोको आंदोलन करण्यात आले. या आंदोलनाला माजी खा. शिशुपाल पटले यांनी भेट दिली.

आंदोलनात बिनाखीचे सरपंच देवेंद्र मेश्राम, उपसरपंच राजेंद्र बघेले, संतोष बघेले, देवानंद लांजे, गोवर्धन शेंडे, रमेश तोरणकर, सुनील पटले, अरुण गजभिये व परिसरातील गावकरी सहभागी झाले. आंदोलनकर्त्याच्या समस्या व मागण्या जाणून घेण्यासाठी नायब तहसिलदार जांभुळकर, सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे शाखा अभियंता चौधरी आणि सहायक पोलिस निरीक्षक नितीन मदनकर यांनी भेट घेतली. चार तासाच्या रास्ता रोकोआंदोलनात १० आश्वासन अधिका□यांनी दिले.

मागार्चे दुरुस्तीसाठी निधीच उपलब्ध नसल्याची माहिती दिली. निधी प्राप्त होताच मागार्चे डांबरीकरण करण्यात येणार असल्याची माहिती सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे शाखा अभियंता चौधरी यांनी दिली. डेपो धारकाला मागार्ची डागडुजी करण्यासाठी पत्र दिल्याचे नायब तहसिलदार जांभूळकर यांनी उपस्थित आंदोलनकर्त्यांना सांगितले. परंतु आंदोलनकत्यार्चे समाधान झाले नाही. यामुळे आंदोलन सुरूच ठेवणार असल्याचे सांगत लेखी आश्वासनावर आंदोलनकर्ते अडले. सोंड्या आणि वारपिंडकेपार गावात अनधिकृत रेतीचे डंपिंग आहेत. याच गावांतील रस्ते मोठया प्रमाणावर खड्डयात गेले आहेत. परंतु या गावातील सरपंच आंदोलनात सहभागी झाले नाहीत. ही कुजबुज सुरू होती. आंदोलनकत्यार्ना लेखी आश्वासन दिल्यानंतर आंदोलन मागे घेण्यात आला आहे.

दोन पट्टेदार वाघासह बच्छड्याचे दर्शन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : लाखांदुर तालुक्यातील डांभेविरली हे गाव वैनगंगा नदी तीरावर व चंद्रपुर व भंडारा जिल्हाचे सिमावर्ती भागात वसलेले गाव आहे. या गावातील शेतशिवार वैनगंगा नदी लगत व नदी पलीकडे चंद्रपुर जिल्यातील ब्रह्मपुरी तालुक्यातील नदी लगत झुडपी जंगल परीसर असून मागील चार ते पाच दिवसापासुन येथील वैनगंगा नदी किना□यालगत शेतशिवारात दोन पट्टेदार वाघ व दोन बच्छड्याचे ग्रामस्थांना दर्शन झाले. असल्याची ओरड असुन त्याचे ऑडी ओम व्हिडिओ शोशल मिडीयावर वायरल होत आहे.

या घटनेची माहीती ग्रामस्थांनी लाखांदुर वन विभाग यांना दिली असुन सबंधीत वन विभागाने या परीसरात कॅमेरे लावले असल्याचे बोलले जात असुन वन विभागाचे हाती कोणताही सुराग न मिळालेची माहीती ग्रामस्थाकडुन मिळाली आहे.

परंतु ह्या वाघाचे दर्शन ग्रामस्थांना वारंवार होत असल्याने ग्रामस्थ पुर्णतः धास्तावले असुन शेतावर जाण्यास घाबरत आहेत.त्या मुळे आता खरीप हंगामाला सुरुवात झाली असता ह्या वाघाचे दहशतीने त्या भागातील हंगामाला खिंड पडत असुन यातुन शेतक□यांचे मोठे नुकसान होत असल्याचे वर्तविले जात आहे. या नुकसानी ची भरपाई सबंधीत विभागाने द्यावी अथवा नुकसान न होऊ देता तात्काळ या सबंधानवन विभागाने उपाययोजना करावी अशी मागणी डांभेविरलीसह परीसरातील ग्रामस्थ जनतेकडुन होत आहे.

लाडली बहन योजना के लिए उमड़ी महिलाएं तलाठी कार्यालय, सेतु केंद्र में कतार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : राज्य सरकार ने राज्य का बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना की घोषणा की. इस योजना की घोषणा होते ही महिलाओं में इसका लाभ लेने के लिए काफी रुचि है और गांवों एवं तहसीलों में आवेदन और आवश्यक दस्तावेजों के मिलान के लिए महासेवा सेतु केंद्र, आपले सरकार केंद्र में योजना का फॉर्म भरने के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है. हाल ही में पेश किए गए बजट में वित्त मंत्री अजित पवार ने लाडली बहन योजना की घोषणा की. इस योजना के तहत महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह देने की घोषणा के बाद अब महिलाएं 1 जुलाई से वे आवेदन भरने के लिए दौड़ रही है.

इसके लिए महिला तलाठी कार्यालम और आपली सरकार केंद्र पर सुबह से ही लाइन 1 लगाए हुए है. फिलहाल खेती का मौसम चल रहा है और

किसानों को सातबारा, नमुना आठ आदि की जरूरत है. तो 10वीं और 12वीं के नतीजे आ चुके हैं और कॉलेज में एडमिशन का भी समय आ गया है. छात्रों को । विभिन्न प्रकार के प्रमाणपत्र बनाने के लिए प्रमाणपत्रों की आवश्यकता होती है.

जैसे ही यह योजना शुरू हुई है, इसमें महिलाओं की भीड़ बढ़ 1 गयी है. यह योजना 21 से 60 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं के लिए है उन्हें निवासर, आग प्रमाण, बैंक खाता और राशन कार्ड आदि दस्तावेजों 1 की आवश्यकता है. इसके चलते जिले के सेतु केंद्र, तलाठी, तहसील कार्यालय में महिलाओं और परिवारों की भारी भीड़ देखी जा रही है.

योजना के लिए कौन होगा अपात्र ?

जिस परिवार की आय वाई लाख रुपये से अधिक है उस परिवार की महिला को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा. इसके अलावा अगर घर में कोई आयकर दे रहा है, परिवार का कोई व्यक्ति सरकारी नौकरी में है. पेंशन से यहा है, परिवार के पास पांच एकड़ से अधिक जमीन है, तो वह व्यक्ति अपात्र होगा. घर में ट्रैक्टर के अलावा बार पहिया वधान है तो वह अपात्र माना जाएगा इसके अलावा यदि परिवार में पूर्व विधायक, सांसद हैं तो वह व्यक्ति भी इस योजना के लिए अपान होगा.

कहां और कैसे करें आवेदन ?

योग्य महिलाएं ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं. योजना कर आवेदन पोर्टल, मोबाइल ऐप, सेतु केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन भरा जा सकता है. पो लोग आवेदन करने में असमर्थ हैं वे आंगनवाड़ी केंद्र पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक महाराष्ट्र का निवासी होना चाहिए इसके अलावा उसे आवेदन के साथ आधार कार्ड, रासन कार्ड, आय प्रमाण, निवास प्रमाण, बैंक पासबुक और फोटो की आवश्यकता होगी. साथ ही योजना के नियम एवं सतर्ती का पालन करने का शपथ पत्र भी देना होगा. आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क होगी. इसके अलावा आवेदन करते समय महिला को मौजूद रहना जरूरी है.

जिला परिषद स्कूल को पहले ही दिन ठोंका ताला

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : मोहाड़ी तहसील के टांगा गांव स्थित जिला परिषद उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों की मांग को लेकर ग्रामीणों ने आक्रोश जताया और स्कूल खुलने के पहले ही दिन स्कूल के गेट पर ताला ठोंक दिया. टांगा के जिला परिषद स्कूल में दो ही शिक्षक हैं जिनमें एक हेडमास्टर हैं जो हमेशा व्यस्त रहते हैं. एक शिक्षक आखिर कितनी कक्षाओं को पढ़ाएगा इस पर सरपंच, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य और ग्रामीणों ने मिलकर सोमवार सुबह स्कूल में ताला जड़ दिया. सोमवार यह 2024-25 शिक्षा सत्र का पहला दिन होने से प्रशासन सकते में आ गया. आखिर लिखित आश्वासन के बाद आंदोलन वापिस लिया गया. ग्रामीणों एवं अभिभावक वर्ग की समस्याओं को सुनने के लिए पंचायत समिति मोहाड़ी की गट शिक्षा अधिकारी गजभिये ने खुद आकर धरना स्थल का दौरा किया और स्कूल और शिक्षक के बारे में चर्चा की. उन्होंने उचित मांगों को स्वीकार किया और गांव वालों को नए शिक्षक आने तक दो शिक्षकों को तुरंत अस्थायी तौर पर नियुक्त किया. सरपंच लक्ष्मी लुटे, उपसरपंच ईश्वर दयाल बोंद्रे, ग्राम पंचायत के सभी सदस्य, तंटामुक्ति अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सदस्य, विद्यार्थी, अभिभावक, गांव के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

रेत के टिप्पर का परिवहन बंद करो, अन्यथा होगा आंदोलन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

गौबरवाही : रेत के टिप्पर के परिवहन से गांव की पगदंडी खस्ताहाल हो जाने से नागरिकों को परेशानी सामना करना पड़ रहा है. प्रापं कमेटी नाकाडोंगरी ने तहसीलदार तुमसर को ज्ञापन देकर सूचित किया है कि नाकाडोंगरी के राइस मिल के पास के मुख्य मार्ग से आष्टी के रतन टोली के ओर आने वाले कच्चे रास्ते पर शासकीय रेत डेपो प्रारंभ होने से आम जनता को बड़ी परेशानी हो रही है.

असुविधाजनक कच्ची सड़क पर डेपो प्रारंभ करना आम जनता के लिए सरदर्द साबित हो रहा है. रात और दिन बड़े-बड़े ट्रक चलने से कच्ची सड़क के किनारे यसीं हुई गरीब लोगों की बस्ती के निवासियों की नींद हराम हो गई है जान पर खतरा मंडराता रहता है. ग्रामीणों ने बताया कि गांव में मेन रोड महामार्ग पर अनेक निजी भूमि एवं सिंचाई विभाग की भूमि खाली पड़ी है. सुविधाजनक स्थान पर डिपो न खोलते हुए कच्ची सड़क पर रेत डेपो सुरु करला आस्चर्यजनक है. 30-40 टन रेत भरे ट्रक कच्ची सड़क पर चलने से

पांधन सड़कें बराब हो रही है. कीचड़ में एक गुजरते है . फिर मुख्य अंतरराज्यीय महामार्ग पर आते हैं अंतरराज्यीय महामार्ग भी कीचड़मय हो जाने से अन्य वाहनों के साथ कमी भी दुर्घटना हो सकती है. रेत टुकों का आवागमन बंद नहीं किया गया तो अंतरराज्यीय महामार्ग पर ग्रापं कमेटी एवं क्षेत्र के ग्रामवासी, ग्राम के पदाधिकारी सड़क पर तीव्र आंदोलन करेंगे . नाकाडोंगरी व परिसर के आस पास के ग्रामीण भी आंदोलन में शामिल होगे किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित होती हैं तो इसका जिम्मेदार शासन, प्रतासन ही होगा ग्रापं के सरपंच सुमित गोपाले, उपसरपंच विजय राऊत सहित सदस्यगण विश्वाकांत घडले, संजय गोपाले, निरंजन गोपाले, देवेंद्र मानकर, प्रिया रामटेके, अनीता मुरे, भाविका अके, राधिका सोनवाने, प्रमिला काशीवार, प्रीति घडले आदि पंचगण के साथ ग्रामीण इलाकों के ग्रामीण इस आंदोलन में शामिल होगे .

अगर क्षेत्र में इस प्रकार का उत्खनन कार्य हो रहा है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएंगी, हमारे यहां से टीम को खनन स्थल पर रवाना किया गया है अगर कोई उत्खनन करते पाया गया तो त्वरित कार्रवाई होगी.

- मोहन टिकले, तहसीलदार, तुमसर

डॉक्टर्स डे के अवसर पर जिला सामान्य अस्पताल भंडारा में विभिन्न प्रकार के वृक्षों का रोपण

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिला सामान्य अस्पताल भंडारा में अतिरिक्त जिला सर्जन अतुल टेम्भुरने के हस्ते और जिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारियों और पर्यावरण समिति शाखा भंडारा (नागपुर) की उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 1.जुलाई .2024 को सुबह 10.30 बजे डॉक्टर दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वन पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण संरक्षण समिति महाराष्ट्र प्रदेश (नागपुर प्रभाग शाखा नागपुर भंडारा) की ओर से जिला अस्पताल क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किये गये।उक्त कार्यक्रम में कुल 100 विभिन्न प्रकार के पौधे लगाये गये। इस कार्यक्रम में डॉ. दिनेश कुथे, डॉ. मुकेश थोटे, डॉ. शेखर नाईक, डॉ. सुचिता वाघमारे, डॉ. गोपाल सार्वे, डॉ. मारबते, डॉ. मनिष बत्रा तसेच इतर कर्मचारी श्री सुर्यभान कलचुरी, श्री बागडे, श्री भोजराज किरपान, श्री बबन मानतूरे, श्री विलास चोपकर, श्री जगदिश पाटिल, श्री गणेश निखाडे के साथ-सुरज परदेशी, सुर्यकांत ईलमे दिपक वाघमारे, सचिव जि राजकुमार दहेकर, विष्णु दास लोणारे समिति के कार्यकर्ता और अस्पताल कर्मचारी उपस्थित थे।

आंधलगांव में मानसून के समय 2 घंटे बिजली कटौती

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : मोहाड़ी तहसील में बिजली वितरण कंपनी की आंधलगांव शाखा की ओर से मंडल के 14 गांवों में कार्यरत अभियंता की लापरवाही के कारण बिजली उपभोक्ताओं को काफी परेशानी हो रही है गर्मी में बिजली की भारी समस्या से आम लोगों को दो-चार होना पड़ा है. आंधलगांव में बिजली विभाग के अभियंता की अनदेखी के कारण आंधलगांव और निकट के मंडल के तहत आने वाले गांवों के नागरिकों को बिजली गुल होने से काफी परेशानी हुई भाले ही अब मानसून शुरू हो गया है. लेकिन इंजीनियरों के ध्यान नहीं देने के कारण बिजली की आंख मिचौली आज भी जारी है.

एक तरफ बिजली वितरण कंपनी भारी भरकम बिजली बिल देकर ग्राहकों का शोषण कर रही है. यही दूसरी ओर वितरण कंपनी इस समस्या का समाध्वन करने में असमर्थ नजर आ रही है. क्योंकि आंधलगांव क्षेत्र में दिन में दस से बारह बार विजाली आपूर्ति बाधित होती रहीं है. कई पटेलू और कार्यालय उपकरण खराब हो गए हैं और किसानों और नागरिकों को पीने के पानी से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है नल का पानी पीने के लिए बिजली के अभाव में तारों पर कसरत करनी पड़ती है. गांव व खेतों में बिजली के खंभों के तार झूलने से भारी जनहानि को आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता.

युवासेना जिला प्रमुख पद पर सेलोकर की नियुक्ति

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निदेर्शानुसार (शिंदे गुट), भंडारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेंद्र भोंडेकर की सूचना पर शिवसेना (शिंदे गुट) जिला प्रमुख अनिल गायधने ने तुमसर निवासी नितिन सेलोकर की शिवसेना के (शिंदे गुट) युवा सेना जिला प्रमुख पद पर (भंडारा व तुमसर-मोहाड़ी विधानसभा) नियुक्ति की गई है. अब तक वे शिवसेना के अनेक पदो की जिम्मेदारी उठा चुके हैं. इस अवसर पर सेलोकर ने कहा कि, पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए तीनों तहसीलों में युवा सेना को मजबूत करने की दिशा में सार्थक प्रयास करेंगे. उन्होंने नियुक्ति श्रेय राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भंडारा-गोंदिया लोकसभा प्रमुख जॅकी रावलानी, विधायक नरेंद्र भोंडेकर, जिला प्रमुख अनिल गायधने आदि को दिया है, उनकी नियुक्ति पर जिले के शिवसेना पदाधिकारियों ने बधाई दी.

लिफ्ट सिंचाई योजनाओं को कराया गया शुरू

किसानों को पानी दिलाने भोंडेकर का साहसिक कदम

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : पवनी तहसील में तीन लिफ्ट सिंचाई योजनाएं पूरी होने के बावजूद इनका औपचारिक लोकार्पण का मुहूर्त ना निकले से क्षेत्र के किसानों को इन योजनाओं के पानी के लिए इंतजार करना पड़ रहा था. जिसे देख भंडारा के शिवसेना विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने एक साहसिक निर्णय लेते हुए इन तीनों लिफ्ट सिंचाई प्रणालियों का औपचारिक उद्घाटन कर दिया.

इन योजनाओं में गोसे खुर्द, अकोट और शेली सिंचाई योजनाएं शामिल हैं जिससे करीब 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र के किसानों को लाभ मिलेगा. गोसे खुर्द परियोजना के निर्माण के बाद कई किसानों को सिंचाई

की उम्मीद जगी थी. लेकिन इस परियोजना से ऊपर बनाई कुछ उपसा (लिफ्ट) परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं लेकिन वे अभी भी लोकार्पण की प्रतीक्षा कर रही थीं. इसमें गोसेखुर्द, अकोट और शेली तीनों लिफ्ट सिंचाई योजनाएं पूरी होने के बाद शुरू नहीं की गईं. जिसके कारण गोसेखुर्द की 7,450 हेक्टेयर, अकोट की 750 हेक्टेयर तथा शैली की 2,700 हेक्टेयर भूमि सिंचाई से वंचित रह गई. इस सिंचाई योजना के पूरा होने के बाद भी पानी नहीं मिलने से क्षेत्र के किसान नाराज थे और योजना को जल्द शुरू करने की मांग कर रहे थे. पानी उपलब्ध कराने का दिया

निदेर्श : जब किसान नरेंद्र भोंडेकर के पास पहुंचे तो भोंडेकर ने आज उपरोक्त तीनों योजनाओं का दौरा करने का निर्णय लिया. अकोट उपसा सिंचाई योजना पहुंचकर किसानों ने उन्हें बताया कि वर्तमान स्थिति में इस क्षेत्र के किसानों को अपनी आजीविका चलाने के लिए पानी की सख्त जरूरत है.

किसानों की हालत देख भोंडेकर ने गोसे खुर्द, अकोट और शेली नामक तीनों लिफ्ट परियोजनाओं का औपचारिक उद्घाटन करने का साहसिक निर्णय लिया और उद्घाटन के लिए परियोजना स्थल पर पहुंचने के बाद, उन्होंने अधिकारियों को इस क्षेत्र में किसानों को निर्बाध पानी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

रसायन युक्त पानी से खेत बंजर होने की कगार पर

वैनगंगा नदी और कुएं में भी जा रहा पानी, शिकायक के बाद तहसीलदार ने कंपनी और किसानों की ली बैठक

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : तहसील के देव्हाडी ग्राम स्थित मिनी एमआईडीसी परिसर से जानेवाले नाले में पूरे वर्ष रसायन मिश्रित पानी बहता है। जिससे परिसर की खेत बंजर होने के कगार पर पहुंच चुके हैं। उत्पादित अनाज में भी दुर्गंध आती है। नाले के तट पर खेत में काम करते समय किसानों को दुर्गंध का सामना करना पड़ता है।

इस संदर्भ में स्थानीय किसानों ने जिलाधिकारी और तहसीलदार से शिकायत की थी। जिसकी सुनवाई तहसीलदार के कार्यालय में की गई। संबंधित कंपनी के प्रतिनिधि एवं किसानों के बीच इस समय विवाद हुआ। किसानों में कंपनी के खिलाफ रोष है। देव्हाडी के स्थानीय किसान

संदीप वाट, विशाल बिरनवारे ने दवाई निर्मिति कारखाने का रसायन मिश्रित पानी नाले में छोड़े जाने की लिखित शिकायत जिलाधिकारी एवं तहसीलदार से की थी।

इस संदर्भ में तहसील कार्यालय में तहसीलदार ने कंपनी के प्रतिनिधि एवं शिकायत करनेवाले किसानों की आमने सामने सुनवाई की।

इस समय कंपनी के प्रतिनिधि एवं किसानों में शाब्दिक विवाद हुआ। किसानों ने सुनवाई के दौरान नाले व खेती का प्रत्यक्ष निरीक्षण करने की मांग की। इस परिसर की करीब 400 एकड़ खेती रसायन मिश्रित पानी के कारण बंजर होने की कगार पर है। किसानों ने कहा कि रसायन मिश्रित पानी परिसर के कुएं में जा रहा है। साथ ही रसायन मिश्रित पानी वैनगंगा नदी में जा रहा है। जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य पर विपरीत परिणाम होने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। बैठक में बताया गया कि मंडल अधिकारी ने संबंधित जगह की प्रत्यक्ष जांच कर रिपोर्ट तहसीलदार के पास प्रस्तुत की है। इस रिपोर्ट के पश्चात तहसीलदार ने कंपनी के प्रतिनिधि और शिकायत करने वाले किसानों की सुनवाई की।

झगड़े में पिता-पुत्र की पिटाई

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : गौशाला में टेढ़ा टीन देख कर लड़के से बात कर रहे फियार्दी को तीन लोगों ने पीटा और बाइक की लाइट तोड़ क्षति करने की घटना अमगांव में घटी फियार्दी आमगांव निवासी देवानंद नत्थु हट्टेवार घर को तिरपाल बधा रहा था तो उसे गौशाला का टीन झुका हुआ दिखाई दिया, इसी दौरान जब वह अपने बेटे को पूछा की, कौन टिन पर चढ़ा हुआ था, टीन झुक गया है. तभी आरोपी सुधाकर चिरकुट हट्टेवार एवं विवाहित महिला ने उससे झगड़ा किया और उसे थप्पड़, मुक्के से मारकर घायल कर दिया.

जाहिरनाम

कोर्ट विद्यमान तालुका दंडाधिकारी तथा तहसीलदार,लाखनी यांचे न्यायालय
मौजा-पालांदूर, ता.लाखनी, जि. भंडारा
रा.मा.क्र. / MRC -81/2023-24

ज्याअर्थी, जन्म आणि मृत्यू नोंदणी (सुधारणा कायदा २०२३, कलम ११ अन्वय, सन १९६९ चा प्रमुख कायदा कलम १३(३) अंतर्गत अर्जदार श्री/श्रीमती तुकड रामचंद्र खंडाईत मौजा-पालांदूर, ता.लाखनी, जि. भंडारा यांनी वडील नामे रामचंद्र वेतु खंडाईत यांचा मृत्यू दि.०६/०७/१९७७ ला मौजा-पालांदूर, ता.लाखनी, जि. भंडारा येथे झाला असून मत्यू नोंदणी विषयी माहिती नसल्याने मृत्यू ची नोंद गैरअर्जदार सचिव तथा ग्रामपंचायत कार्यालय पालांदुर ता.लाखनी, जि.भंडारा यांच्याकडे करण्यात आलेली नाही. त्यामुळे सदर मुत्यूची नोंद निबंधक जन्म-मृत्यु ग्रामपंचायत कार्यालय पालांदूर, ता.लाखनी, जि.भंडारा जन्म मृत्यू नोंदणी रजिस्टरला घेण्यासाठी आदेश देण्यासाठी इतर कोणालाही आक्षेप वा उजर तक्रार असेल तर त्यांनी लेखी उजर / तक्रार पुराव्यासह सदर जाहीरनामा प्रसिध्द झाल्याचे तारखेपासुन 30 दिवसाचे आत स्वतः किंवा आपल्या वकीलामार्फत या कार्यालयात हजर राहून नोंदविण्यात यावा. सदर प्रकरणात विहित मुदतीत उजर / तक्रार प्राप्त न झाल्यास कुणाचीही उजर तक्रार ग्राह्य धरली जाणार नाही. याची नोंद घ्यावी.

दिनांक : १५/०५/२०२४
स्थळ : लाखनी

शिक्का

आदेशानुसार
(डी. आर. निबाळकर)
तालुका दंडाधिकारी तथा
तहसिलदार लाखनी

साप्ताहिक आवाज भंडारा हे वृत्तपत्र मालक, प्रकाशक, संपादक शमेशर वाहब खान यांनी राकेश प्रिंटींग प्रेस राजिव गांधी चौक, साई मंदीरसमोर तकीया वार्ड , भंडारा येथे छापून साप्ताहिक आवाज भंडारा कार्यालय, तकीया दर्गाह जवळ, तकीया वार्ड भंडारा येथे प्रकाशित केले. मुख्य संपादक -शमशेर खान मोबाईल नंबर - ७९७२७९५६५५ ईमेल-awazbhandara@gmail.com Owner,Publisher, ShamsherWahab Khan on behalf Of Weekly Awaz Bhandara Printed at Rakesh Printing Press, Rajiv Gandhi Chowk(TakiyaWard) Opp.sai mandir Bhandara-441904 and Published at takiya Dargah near Old Majjid, Takiya ward Bhandara 441904 Editor-Shamsher Khan Mo.7972795655 Email- awazbhandara@gmail.com प्रकाशित समाचारों से संबंधित कोई भी वाद भंडारा न्यायालय अंतर्गत निपटारा किया जाएगा !